Nai Dunia (Indore), 24th September 2020, Page-2

अभी मास्क ही वैक्सीन

मास्क पहनने में लापरवाही बरतोगे तो नहीं रुकेगा संक्रमण। ● नईदुनिया

कोरोना संक्रमण के हॉट स्पॉट बने इंदौर शहर में हर दिन पॉजिटिव मरीजों की संख्या में इजाफा होने के बावजूद लोग सावधानी नहीं बरत रहे हैं। शहर के बाजारों से लेकर कॉलोनियों में बगैर मास्क लगाए घूमते लोग सुबह से रात तक नजर आते हैं। तमाम समझाइश और चालानी कार्रवाई के बाद भी मास्क नहीं लगाने वाले लोगों को न खुद की चिंता है न दूसरों का खयाल है। नईदुनिया ने '...अभी मास्क ही है वैक्सीन' अभियान के तहत बुधवार को शहर के अलग-अलग इलाकों का जायजा लिया तो लापरवाही की कई तस्वीरें सामने आई।

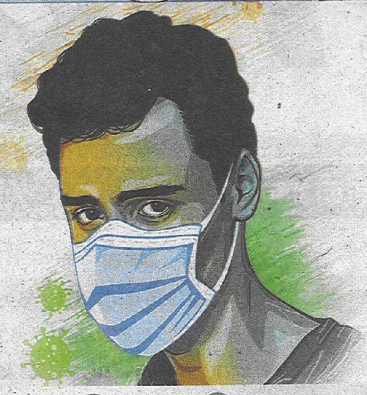

मजाक में ले रहे कोरोना को। इन्हें नहीं संक्रमण का डर। ● नईदुनिया

न खुद की चिंता, न दूसरों के लिए 'चिंतन'

है छोटा सा टास्क, लगा लो मास्क

इंदौर। नईदुनिया प्रतिनिधि

जेल रोड : मोबाइल फोन एसेसरीज और इलेक्ट्रानिक सामग्री के बाजार जेल रोड़ पर पूरे दिन लोगों की जबरदस्त आवाजाही होती है। इस सड़क पर सुरक्षित शारिरिक दूरी का पालन भी नजर नहीं आता। आने-जाने वालों के साथ ही कई दुकानदार भी बगैर मास्क लगाए दुकानों पर आने वाले ग्राहकों से बातचीत करते रहते हैं।

राजवाड़ा : शहर के हृदय स्थल राजवाड़ा क्षेत्र में भी मास्क को लेकर इसी तरह की लापरवाही नजर आई। यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों के साथ ही दुकानदार भी बगैर मास्क लगाए घूमते नजर आए।

रीगल तिराहा : मास्क को लेकर शहर के प्रमुख चौराहे के हाल भी कुछ ऐसे ही थे। यहां से गुजर रहे वाहन चालको में से कई ने मास्क नहीं लगाए थे। सिग्नल पर रुके वाहन चालकों से मास्क के बारे में पूछने पर बोले मास्क जेब में हैं, लगा लेंगे।

चंदननगर क्षेत्र : शहर के पश्चिमी क्षेत्र स्थित चंदननगर इलाके में भी मास्क को लेकर लापरवाही का आलम नजर आया। यहां भी रहवासी और व्यापारिक दोनों ही क्षेत्रों में लोग मास्क को लेकर गंभीर नजर नहीं आए। जबकि इस क्षेत्र में कुछ माह पूर्व बड़ी तादात में कोरोना संक्रमित मरीज मिल रहे थे।

कुछ लोग मास्क तो लगाते हैं, लेकिन जेल रोड जैसे भीड़ वाले क्षेत्रों में भी लापरवाहीपूर्वक उसे नाक और मुंह के नीचे कर लेते हैं। ● नईदुनिया

राजवाड़ा क्षेत्र में बिना मास्क लगाए बेखौफ घूमते युवक-युवती। ● नईदुनिया

चाहे आप सार्वजनिक स्थान पर हों या आपके आसपास लोग हों, मास्क हमेशा पहने रहना चाहिए। फेस मास्क आपको और दूसरों को वायरस और बैक्टीरिया संक्रमण से बचाते हैं। बहुत से लोग जाने-अनजाने दूसरों को संक्रमित कर देते हैं। खांसते वक्त या छूकर संक्रमण की आशंकाएं बढ़ा देते हैं। कोविड के दौरान मास्क पहनना आपके और आपके आसपास के लोगों के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत जरूरी है। आइए मास्क पहनना एक आदत बनाएं। - **प्रो. हिमांशु राय,** निदेशक, आइआइएम इंदौर

संक्रमण को खत्म करने के लिए जब तक वैक्सीन नहीं आती तब तक मास्क को अनिवार्य रूप से अपनाना जरूरी है। घर के बाहर किसी भी काम के लिए निकल रहे हैं, लेकिन मास्क पहनना न भूलें। वाहन चलाते हुए भी मास्क का उपयोग अनिवार्य रूप से करें। संक्रमण से सुरक्षा के लिए मास्क, सैनिटाइजर और शारीरिक दूरी महत्वपूर्ण है। बच्चों हों या बड़े, सभी को इसे अपनाना चाहिए और दूसरों को भी अपनाने के लिए जागरूक करना चाहिए।

- **प्रो. नीलेश कुमार जैन,** कार्यवाहक निदेशक, आइआइटी इंदौर

कोरोना में सबसे ज्यादा सुरक्षा मास्क से ही है। जिन्होंने मास्क का प्रयोग किया है, वे संक्रमण से बचे हुए हैं। इसलिए स्वयं की एवं परिवार की सुरक्षा करें। मास्क पहनकर दूसरों के लिए एक आदर्श स्थापित कर सुरक्षित रहें एवं बेहतर जीवनयापन करें।

- **योगेश देशमुख,** आइजी, इंदौर जोन

मास्क पहनकर संक्रमण फैलने से रोका जा सकता है। वर्तमान परिस्थितियों में भी हम नहीं समझे तो गंभीर परिणाम हो सकते हैं। जरा सी चूक हमारे लिए जानलेवा साबित हो सकती है। मात्र मास्क लगाने से ही कोरोना से आधी जंग जीत सकते हैं। इसलिए बाहर जाएं तो मास्क अवश्य लगाएं।

- **चंद्रशेखर सोलंकी,** डीआइजी ग्रामीण

कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। संक्रमण से बचाने के लिए मास्क लगाकर रखना बेहद जरूरी है। अभी सार्वजनिक स्थानों पर कई लोग बगैर मास्क के घूम रहे हैं, जो बिलकुल गलत है। खुद को और अपने परिवार को संक्रमण से बचाने के लिए मास्क सबसे बेहतर सुरक्षा कवच है।

- **अनिल शर्मा,** प्रभारी कुलसचिव, डीएवीवी

एन-95 और सर्जिकल मास्क का धोकर न करें उपयोग

इंदौर। कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या लगातार बढ़ने के बावजूद लोग इसके प्रति सावधानी नहीं बरत रहे हैं। मास्क लगाने का गलत तरीका भी संक्रमित कर सकता है। डॉक्टरों के मुताबिक कई लोगों की नाक के नीचे मास्क रहता है जिससे संक्रमित होने की आशंका बनी रहती है। कुछ लोग एन-95 मास्क और सर्जिकल मास्क को भी धोकर इस्तेमाल कर रहे हैं। यह स्थिति खतरनाक हो सकती है क्योंकि किसी संक्रमित मरीज के संपर्क में आने पर उपयोग किए गए ये मास्क वायरस को रोकने में कारगर साबित नहीं होते।

सर्जिकल मास्क छह या सात घंटे से ज्यादा उपयोग नहीं कर सकते। मास्क का एक बार उपयोग करने के बाद रखकर दोबारा उपयोग में नहीं ला सकते।

- **डॉ. अमित मालाकार,** नोडल अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग

बाजार जाते समय या ऑफिस में काम करते समय कई लोग अपने मास्क को बार-बार हटा लेते हैं। यह स्थिति भी खतरनाक हो सकती है। लगातार मास्क का प्रयोग न करें, लेकिन भीड़ वाले स्थानों पर इसे मुंह और नाक दोनों पर ही लगाकर रखना जरूरी है।

- **डॉ. सलिल साकल्ले,** प्रभारी कम्युनिटी मेडिसिन विभाग, एमजीएम कॉलेज

तीन सतह वाले कपड़े के मास्क लगाना उपयोगी होता है। इन्हें रोजाना धोकर वापस उपयोग किया जा सकता है। लॉकडाउन के समय बाजार में इस तरह के मास्क की कमी थी। अब 35 से 50 रुपये कीमत में भी अच्छे मास्क बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं।

- **डॉ. अनिल डांगरे,** स्क्रीनिंग टीम प्रभारी

मास्क लगाने का मुख्य मकसद हमारे बचाव के साथ ही दूसरों को भी सुरक्षित रखना है। कोई संक्रमित व्यक्ति खांसता या छींकता है तो मास्क से बचाव होता है। अगर हम संक्रमित हैं और किसी से बात करते हैं तो उसका भी बचाव का ध्यान रखते हैं। कई लोग मास्क नहीं लगा रहे हैं, यह गलत है।

- **डॉ. ज्ञानेश शुक्ला,** रिटायर्ड प्रोफेसर, एमजीएम कॉलेज

कोरोना से बचाव के लिए मास्क जरूर लगाएं। मास्क के उपयोग को इससे भी समझा जा सकता है कि अस्पतालों में स्टाफ और अन्य लोग मास्क लगाकर काम कर रहे हैं। मास्क उपयोगी नहीं होता तो आज सभी संक्रमित हो चुके होते। इसलिए मास्क को लेकर गंभीर होना होगा। - **डॉ. अखिलेश भार्गव,** प्रोफेसर, अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय